

राजस्थान-सरकार
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग
(ग्रामीण विकास, अनुभाग-5)

एफ-4(10)परावि/पीपी/जीकेएन/2014-15

जयपुर दिनांक 17 सितम्बर, 2015

स्थायी आदेश संख्या- 20/2015

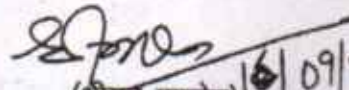
विभागीय परिपत्र संख्या- 17/2015 के द्वारा ग्रामीण कार्य निर्देशिका-2015 भाग-1 जारी की गई थी। इस निर्देशिका के निम्न निर्देशों में संशोधन किये जाते हैं :-

1. निर्देश संख्या- 7.1 शिड्यूल ऑफ पॉवर्स हेतु परिशिष्ट-2 (ग्रामीण कार्य निर्देशिका-2015 भाग-1) की तालिका संख्या- 3 शिड्यूल ऑफ पॉवर्स के तकनीकी स्वीकृति (संशोधन सहित) में कॉलम संख्या- 6 में निम्न शर्त/टिप्पणी और जोड़ी जावेगी :-

"प्राकृतिक आपदा की स्थिति में क्षतिग्रस्त कार्यों के तत्काल सम्पादन हेतु ग्राम पंचायत द्वारा एक लाख तक की तकनीकी स्वीकृति ग्रामीण कार्य निर्देशिका- 2015 के भाग- 1 के निर्देश संख्या- 4.3 व 4.4 के अनुसार जारी की जा सकेगी।"

2. निर्देश संख्या - 9.5.1 - पंचायत समिति स्तरीय बाजार दर सर्वेक्षण एवं प्रस्तावक समिति में उप-निर्देश संख्या - 1 के अनुसार इस समिति में एक सरपंच एवं एक ग्राम सेवक (कुल 2 सदस्य) और शामिल किये जाते हैं। प्रतिवर्ष रोटेशन के आधार पर इन सदस्यों का घयन विकास अधिकारी द्वारा पंचायत समिति की प्रशासन व स्थापना समिति की बैठक में लॉटरी के आधार पर किया जायेगा।
3. ग्रामीण कार्य निर्देशिका- 15 भाग-1 के निर्देश संख्या- 18.1 - "राज्य स्तरीय तकनीकी अनुमोदन समिति में कम संख्या- 5 पर अकित जिलों के आमंत्रित अधिशाही अभियंता 3 के स्थान पर प्रत्येक संभाग से एक अधिशाही अभियंता को प्रतिवर्ष रोटेशन के आधार पर सदस्य नियुक्त किया जाता है।"

उपरोक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।


(श्रीमत् पाण्डेय) 16/09/2015

प्रमुख शासन सचिव,
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज